

81. प्रगतिशील शिक्षा निम्नलिखित में से किस कथन से संबंधित है? [CTET-Sept.-2014-II]

- शिक्षक सूचना और प्राधिकार के प्रवर्तक होते हैं।
- ज्ञान प्रत्यक्ष अनुभव और सहयोग से उत्पन्न होता है।
- अधिगम तथ्यों के एकत्रीकरण और कौशल में प्रवीणता के साथ सीधे मार्ग पर चलता है।
- परीक्षा मानदंड-संदर्भित और बाह्य है।

82. हम सभी अपनी बुद्धि, प्रेरणा, अभिरूचि आदि के संदर्भ में भिन्न होते हैं। यह सिद्धान्त सम्वन्धित है- [CTET-Feb.-2015-I]

- वैयक्तिक भिन्नता से
- बुद्धि के सिद्धान्तों से
- वंशानुक्रम से
- पर्यावरण से।

83. इन कथनों में से आप किससे सहमत हैं ? [CTET-Feb.-2015-II]

- एक बच्चे की असफलता मुख्य रूप से माता-पिता की शिक्षा तथा आर्थिक स्तर में कमी के कारण है।
- एक बच्चा अनुत्तीर्ण होता है क्योंकि सरकार विद्यालयों में पर्याप्त प्रौद्योगिकीय संसाधन प्रदान नहीं कर रही है।
- एक बच्चे की असफलता के लिए वंशानुक्रम घटकों को प्रत्यक्ष रूप से जिम्मेदार ठहराया जा सकता है, जिसे उसने अपने माता-पिता से अर्जित किया है।
- एक बच्चे की असफलता व्यवस्था तथा बच्चे के प्रति प्रतिक्रिया करने में इसकी असमर्थता का एक प्रतिबिम्ब है।

84. एक अध्यापिका समाज के 'वंचित वर्गों' से आए बच्चों की आवश्यकताओं के प्रति प्रभावशाली तरीके से प्रतिक्रिया निम्नलिखित द्वारा कर सकती है- [CTET-Feb.-2015-II]

- वंचित वर्ग से आए बच्चों को विद्यालय के नियमों एवं अपेक्षाओं के प्रति संवेदनशील बनाना ताकि वे उनका अनुपालन करें।
- 'अन्य बच्चों' को 'वंचित वर्ग' से आए बच्चों के साथ सहयोग करने के लिए कहना तथा विद्यालय के तरीकों को सीखने में उनकी सहायता करने के लिए कहना।

(c) विद्यालयीय व्यवस्था तथा स्वयं के उन तौर-तरीकों के बारे में विचार करना जिनसे पक्षपात एवं रूढ़िबद्धताएँ झलकती हैं।

(d) उनके प्रार्थित होने के अवसरों को कम करने के लिए सुनिश्चित करना कि बच्चे आपस में अन्योन्यक्रिया करने का मौका न पाएँ।

85. अध्यापक को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि उसकी कक्षा के सभी शिक्षार्थी अपने आपको स्वीकृत और सम्मानित समझें। इसके लिए शिक्षक को चाहिए कि वह:

[CTET-Sept.-2015-I]

- वंचित पृष्ठभूमि से आने वाले बच्चों का तिरस्कार करे ताकि वे अनुभव करें कि उन्हें अधिक कठोर परिश्रम करना है।
- उन शिक्षार्थियों का पता लगाएँ जो अच्छी अंग्रेजी बोल सकते हैं और संपन्न घरों से हैं तथा उन्हें आदर्श के रूप में प्रस्तुत करें।
- अपने शिक्षार्थियों की सामाजिक और संस्कृतिक पृष्ठभूमि की जानकारी प्राप्त करें और कक्षा में विविध मतों को प्रोत्साहित करें।
- कड़े नियम बनाएँ और जो बच्चे उनका पालन न करें उन्हें दंड दे दें।

86. बाल केंद्रित शिक्षा में शामिल है:

[CTET-Sept.-2015-I]

- बच्चों का एक कोने में बैठना।
- प्रतिबंधित परिवेश में अधिगम।
- वे गतिविधियाँ जिनमें खेल शामिल नहीं होते।
- बच्चों के लिए हस्तपरक गतिविधियाँ।

87. किसी कक्षा में शिक्षक की भूमिका है :

[CTET-Sept.-2015-II]

- सीधे तरीके से ज्ञान पहुँचाना और शिक्षार्थियों को सही उत्तर के लिए तैयार करना।
- समय-सारणी का कठोरता से पालन करना और पाठ्यक्रम से बंधे रहना।
- सीखने की विश्वसनीय स्थितियों जुटाना और शिक्षार्थियों को स्वतंत्र चिंतन की सुविधा देना।
- अपने ज्ञान से शिक्षार्थियों को परिपूर्ण करना और उन्हें परीक्षा के लिए तैयार करना।

88. एक प्रमावी कक्षा में [CTET-Sept.-2015-II]

- बच्चे शिक्षक का सम्मान नहीं करते हैं और जैसा उन्हें अच्छा लगता है वैसा ही करते हैं।
- बच्चे अपने अधिगम को सुगम बनाने के लिए मार्गदर्शन एवं सहयोग हेतु शिक्षक से सहायता लेते हैं।
- बच्चे हमेशा उत्सुक और तैयार रहते हैं, क्योंकि शिक्षक उनकी प्रत्यास्मरण योग्यता का आकलन करने के लिए नियमित रूप से परीक्षा लेता रहता है।
- बच्चे शिक्षक से डरते हैं, क्योंकि वह मौखिक और शारीरिक दंड का प्रयोग करते हैं।

89. ज्ञान के एक बड़े असम्बद्ध भाग को प्रस्तुत करना : [CTET-Sept.-2015-II]

- शिक्षार्थियों के लिए प्रत्यास्मरण को आसान बनाएगा।
- अपने तरीके से जानकारी को व्यवस्थित करने में शिक्षार्थियों की सहायता करेगा।
- शिक्षिका के कार्य को कठिन और शिक्षार्थियों के कार्य को आसान बनाएगा।
- शिक्षार्थियों के लिए अवधारणात्मक समझ को प्राप्त करने को कठिन बनाएगा।

90. प्रगतिवादी शिक्षा [CTET-Sept.-2015-II]

- समस्या समाधान और आलोचनात्मक चिंतन पर अधिक बल देती है।
- अनुबंधन और पुनर्बलन के सिद्धान्तों पर आधारित है।
- पाठ्य-पुस्तकों पर आधारित है, क्योंकि वे ज्ञान के एकमात्र स्रोत हैं।
- इस मत पर विश्वास करती है कि शिक्षक को अपने उपागम में दृढ़ रहना है और वर्तमान समय में बिना दंड का प्रयोग किए बच्चों को पढ़ाया नहीं जा सकता है।

91. बाल-केंद्रित कक्षा की एक प्रमुख विशेषता है कि उसमें [CTET-Sept.-2015-II]

- शिक्षक बच्चों के लिए व्यवहार के समरूप तरीकों को निर्धारित करता है और जब वे उसका पालन करते हैं तो उन्हें उपयुक्त पुरस्कार देता है।

(b) शिक्षक की भूमिका ज्ञान को सीखने के लिए उसे प्रस्तुत करना है और शिक्षार्थियों का मानक मापदण्डों पर आकलन करना है।

(c) शिक्षक के मार्गदर्शन से शिक्षार्थियों को अपनी स्वयं की समझ को निर्माण करने के लिए उत्तरदायी बनाया जाता है।

(d) शिक्षक के द्वारा बल प्रयोग और मनोवैज्ञानिक नियंत्रण होता है, जो अधिगम पथ और बच्चों के व्यवहार को निर्धारित करता है।

92. शिक्षार्थियों द्वारा की गई गलतियों और त्रुटियों [CTET-Feb.-2016-I]

- कठोरता से निपटाई जानी चाहिए
- बच्चों को 'कमजोर' अथवा 'उत्कृष्ट' चिन्हित करने के अच्छे अवसर हैं
- शिक्षक और शिक्षार्थियों की असफलता के सूचक हैं
- उनके चिंतन को समझने के अवसर के रूप में देखी जानी चाहिए

93. बाल-केंद्रित शिक्षा-शास्त्र का अर्थ है [CTET-Feb.-2016-II]

- बच्चों को पूर्ण रूप से स्वतंत्रता देना
- बच्चों को नैतिक शिक्षा देना
- बच्चों को शिक्षक का अनुगमन और अनुकरण करने के लिए कहना
- बच्चों की अभिव्यक्ति और उनकी सक्रिय भागीदारी को महत्व देना

94. निम्नलिखित में से कौन-सी स्थिति बालकेंद्रित कक्षा-कक्ष को प्रदर्शित कर रही है? [CTET-Feb.-2016-II]

- एक कक्षा जिसमें शिक्षार्थियों का व्यवहार शिक्षिका द्वारा दिए जाने वाले पुरस्कार और दंड से संचालित होता हो
- एक कक्षा जिसमें शिक्षिका नोट लिखा देती है और शिक्षार्थियों से उन्हें याद करने को कहा जाता है
- एक कक्षा जिसमें पाठ्य-पुस्तक एकमात्र संसाधन होता है जिसका संदर्भ शिक्षिका देती है
- एक कक्षा जिसमें शिक्षार्थी समूहों में बैठे हैं और शिक्षिका बारी-बारी से प्रत्येक समूह में जा रही है

95. आजकल बच्चों की 'गलत धारणाओं' को 'वैकल्पिक धारणाएँ' कहने की एक प्रवृत्ति है। इसे कहा जा सकता है

[CTET-Feb.-2016-II]

- (a) बच्चों को उनकी सोच में प्रीढ़ों के समान मानना
(b) बच्चों की समझ में सूक्ष्म भेद करना और उनका अपने सीखने के प्रति निष्क्रिय रहना
(c) पहचानना कि बच्चे सोच सकते हैं और उनकी सोच प्रीढ़ों से भिन्न होती है
(d) बच्चों की गलतियों की व्याख्या के लिए मनोहारी शब्दों का उपयोग करना

96. प्रगतिशील शिक्षा में अपरिहार्य है कि कक्षा-कक्ष

[CTET-Feb.-2016-II]

- (a) सबके लिए मुक्त होता है जिसमें शिक्षक अनुपस्थित होता है
(b) शिक्षक के पूर्ण नियंत्रण में होता है जिसमें वह अधिनायकतावादी होता है
(c) लोकतांत्रिक होता है और समझने के लिए बच्चे को पर्याप्त स्थान दिया गया होता है
(d) सत्तावादी होता है, जहाँ शिक्षक आदेश देता है और शिक्षार्थी चुपचाप अनुसरण करते हैं

97. निम्नलिखित में से कौन-सा एक उदाहरण भाषित बुद्धि वाले व्यक्ति को दर्शाता है?

[CTET-Feb.-2016-II]

- (a) ध्यान देने और दूसरे से अंतर कर सकने की योग्यता
(b) तर्क की दीर्घ शृंखलाओं को सँभाल सकने की योग्यता
(c) शब्दों के अर्थ और क्रम तथा भाषा के विविध प्रयोगों के प्रति संवेदनशीलता
(d) स्वर, राग और सुर के प्रति संवेदनशीलता

98. अपनी कक्षा को वैयक्तिक भिन्नताओं से निपटने के लिए शिक्षक को चाहिए कि:

[CTET-Sept.-2016-I]

- (a) शिक्षण और आकलन के समान और मानक तरीकों को

- (b) बच्चों को उनके अंकों के आधार पर अलग कर उनको नामित करे
(c) बच्चों से बातचीत करे और उनके दृष्टिकोण को महत्व दे
(d) विद्यार्थियों के अलग-अलग कठोर नियमों को लागू करे

99. निम्नलिखित में से कौन-सा उदाहरण प्रभावशाली विद्यालय की प्रथा का है?

[CTET-Sept.-2016-I]

- (a) निरंतर तुलनात्मक मूल्यांकन
(b) शारीरिक दंड
(c) व्यक्ति-सापेक्ष अधिगम
(d) प्रतियोगितात्मक कक्षा

100. किसी प्रगतिशील कक्षा की व्यवस्था में शिक्षक एक ऐसे वातावरण को उपलब्ध करार अधिगम को सुगम बनाता है, जो:

[CTET-Sept.-2016-I]

- (a) खोज को प्रोत्साहन देता है
(b) नियामक है
(c) समावेशन को हतोत्साहित करता है
(d) आवृत्ति को बढ़ावा देता है

101. एक शिक्षिका अपनी कक्षा में विविधता को संबोधित कर सकती है:

[CTET-Sept.-2016-II]

- A. भिन्नताओं को स्वीकार करके और उसे महत्व देकर
B. बच्चों की सामाजिक-सांस्कृतिक पृष्ठभूमि का शिक्षा-शास्त्रीय संसाधन के रूप में प्रयोग करके
C. विभिन्न-अधिगम शैलियों को समावोजित करके
D. मानक निर्देश देकर और निष्पादन हेतु सर्वमान्य मानदण्ड निर्धारित करके नीचे दिए गए कूट के आधार पर सही उत्तर चुनिए।

- (a) A, B और C
(b) A, B, C और D
(c) A, B और D
(d) B, C और D

102. विद्यालयों में विद्यार्थियों की असफलता के बारे में निम्नलिखित में से कौन-से कथन सही हैं?

[CTET-Sept.-2016-II]

- विशेष जातियों और समुदायों से संबंधित विद्यार्थी असफल होते हैं क्योंकि उनमें योग्यता नहीं होती।
 - विद्यार्थी विद्यालयों में असफल होते हैं क्योंकि उन्हें अधिगम के लिए उपयुक्त पुरस्कार नहीं दिए जाते।
 - विद्यार्थी असफल होते हैं क्योंकि शिक्षण उस तरीके से नहीं किया जाता जो उनके लिए सार्थक हो।
 - विद्यार्थी असफल होते हैं क्योंकि विद्यालय व्यवस्था प्रत्येक विद्यार्थी की आवश्यकताओं और अभिरूचियों का ध्यान नहीं रखती।
- (a) B और D (b) C और D
(c) A और B (d) B और C

103. 'बालकेन्द्रित' शिक्षा-शास्त्र का अर्थ है:

[CTET-Sept.-2016-II]

- कक्षा में सारी बातें सीखने के लिए शिक्षक का आगे-आगे होना
- शिक्षक द्वारा बच्चों को आदेश देना कि क्या किया जाना चाहिए
- बच्चों के अनुभवों और उनकी आवाज को प्रमुखता देना
- निर्धारित सूचना का अनुसरण करने में बच्चों को सक्षम बनाना

104. जिस कक्षाकक्ष में विविध में पृष्ठभूमि से विद्यार्थी आते हैं, वहाँ एक प्रभावी शिक्षक:

[CTET-Sept.-2016-II]

- समान आर्थिक पृष्ठभूमि के विद्यार्थियों का समूह बनाएगा और उन्हें एक साथ रखेगा
- वर्चित पृष्ठभूमि के विद्यार्थियों को कठिन परिश्रम करने के लिए कहेगा ताकि वे अपने साथियों के बराबर पहुँच सकें
- समूह में वैयक्तिक भिन्नता को बताने के लिए उनकी सांस्कृतिक जानकारी पर ध्यान देगा
- सांस्कृतिक जानकारी को अनदेखी करेगा और एक सर्वमान्य तरीके से अपने सभी विद्यार्थियों के साथ व्यवहार करेगा

105. विद्यालयों में सह-पाठ्यतर गतिविधियाँ क्यों आयोजित की जानी चाहिए? [HTET-2017]

- ये संस्था की प्रसिद्धि में सहायक हैं
- ये छात्र में समय विकास में सहायक हैं
- ये शुल्क लेने को न्यायोचित ठहराने में सहायक हैं
- ये उन विद्यार्थियों के लिए महत्वपूर्ण हैं जो अध्ययन में रुचि नहीं रखते हैं

106. शिक्षा मनोविज्ञान अधिक बल देता है

[HTET-2017]

- शिक्षक केन्द्रित शिक्षा पर
- छात्र केन्द्रित शिक्षा पर
- पाठ्यचर्या केन्द्रित शिक्षा पर
- विद्यालय केन्द्रित शिक्षा पर

उत्तरमाला

1	(d)	13	(c)	25	(c)	37	(d)	49	(b)	61	(a)	73	(b)	85	(c)	97	(c)
2	(a)	14	(c)	26	(d)	38	(d)	50	(c)	62	(d)	74	(b)	86	(d)	98	(c)
3	(d)	15	(d)	27	(a)	39	(d)	51	(a)	63	(c)	75	(c)	87	(c)	99	(c)
4	(b)	16	(b)	28	(a)	40	(a)	52	(a)	64	(a)	76	(c)	88	(b)	100	(a)
5	(a)	17	(a)	29	(a)	41	(b)	53	(a)	65	(c)	77	(a)	89	(d)	101	(a)
6	(c)	18	(d)	30	(c)	42	(d)	54	(a)	66	(b)	78	(a)	90	(a)	102	(b)
7	(a)	19	(d)	31	(d)	43	(d)	55	(c)	67	(d)	79	(a)	91	(c)	103	(c)
8	(b)	20	(d)	32	(c)	44	(a)	56	(c)	68	(c)	80	(a)	92	(d)	104	(c)
9	(a)	21	(c)	33	(d)	45	(c)	57	(d)	69	(d)	81	(b)	93	(d)	105	(b)
10	(d)	22	(a)	34	(d)	46	(b)	58	(c)	70	(d)	82	(a)	94	(d)	106	(b)
11	(d)	23	(d)	35	(c)	47	(a)	59	(c)	71	(b)	83	(d)	95	(c)		
12	(d)	24	(d)	36	(c)	48	(b)	60	(d)	72	(c)	84	(d)	96	(c)		

व्याख्या सहित उत्तर

22. (a) शिक्षिका द्वारा विभिन्न अधिगम-शैलियों का प्रयोग करना यह दर्शाता है कि शिक्षिका गार्डनर के बहुबुद्धि सिद्धांत से प्रभावित है, क्योंकि गार्डनर के बहुबुद्धि सिद्धांत के अनुसार सभी व्यक्तियों की प्रतिभाएँ (तार्किक, शब्दिक, संगीतिक ...) अलग-अलग होती हैं।
23. (d) सीखने का सम्बन्ध बुद्धि, प्रतिभा एवं योग्यता से है। सभी शिक्षार्थियों के उपर्युक्त गुणों में विभिन्नता पायी जाती है। प्रतिभाशाली बुद्धि के बालकों को ग्रहण क्षमता अधिक होती है, लेकिन सामान्य एवं मंदबुद्धि बालकों की कम होती है। अतः शिक्षक को सीखने के विविध अनुभवों को उपलब्ध कराना चाहिए।
25. (c) प्रगतिशील शिक्षा, पारंपरिक शिक्षा के विपरीत है। प्रगतिशील शिक्षा में समय-सारणी और बैठने की व्यवस्था में लचीलापन अपनाया गया है।
26. (d) सीखने के रचनावादी दृष्टिकोण से बाल-केन्द्रित शिक्षा को उत्पत्ति हुई है। इस दृष्टिकोण के अनुसार, बच्चों को सूचना का भंडार न बनाकर अपना ज्ञान स्वयं अर्जित करने देना चाहिए और यह तभी संभव है, जब बाल-केन्द्रित शिक्षा पद्धति अपनायी जाए।
41. (b) एक सांस्कृतिक तथा भाषिक रूप से वैविध्यपूर्ण कक्षा में छात्रों के विशेष शिक्षा श्रेणी स्थापित करने से पहले शिक्षार्थी की मातृभाषा का मूल्यांकन करना चाहिए।
42. (d) जब बच्चे वास्तविक जीवन में उपयोगी होने वाली गतिविधियों में शामिल होते हैं, तो वे जल्दी सीखते हैं।
43. (d) ब्रूम की शिक्षण व्यवस्था संज्ञानात्मक उद्देश्यों के विभिन्न प्रकार की एक श्रेणीबद्ध व्यवस्था है।
44. (a) शिक्षा के क्षेत्र में निपुणता अभिविन्यास के प्रोत्साहन शिक्षार्थियों के व्यक्तिगत प्रयासों पर ध्यान केंद्रित करना एवं माता-पिता के सकारात्मक विकास से हो संभव है।
45. (c) शिक्षिका के बच्चे पिपाजे के संज्ञानात्मक विकास के विकेन्द्रीकरण दोष से प्रभावित हैं।
85. (c) छात्र की भाषा, संस्कृति, मूल्य, परिवार एवं अन्य पर्यावरणीय परिस्थितियों का ज्ञान शिक्षकों का कक्षा में छात्रों का ज्यादा सहयोग करने एवं घर से ज्यादा सहयोग कराने में आश्रित है।
88. (b) एक प्रभावी कक्षा में बच्चे अपने ज्ञान को समृद्ध करने के लिए तथा दिग्दर्शन एवं सहयोग के लिए शिक्षक पर निर्भर होते हैं।
89. (d) ज्ञान के एक बड़े असेंबल भाग को प्रस्तुत करना विद्यार्थियों के लिए अवधारणात्मक समझ को प्राप्त करने को कठिन बनाएगा।

90. (a) प्रगतिवादी शिक्षा जॉन डेवी से जुड़ी हुई है। प्रगतिवादी शिक्षक उन विद्यालयों को प्राथमिकता देते हैं जो उपयोगी विषयों (व्यवसायों) को सम्मिलित करते हुए) की शिक्षा प्रदान करते हैं। ये पाठ्यपुस्तकों के निर्देशों से शिक्षा ग्रहण करने के स्थान पर कार्य के द्वारा शिक्षा को महत्व देते हैं। इस प्रक्रिया के अंतर्गत शैक्षिक सोच के अंतर्गत बच्चे में विकासशील व्यक्तित्व को रखा जाता है। यह इस बात पर बल देता है कि "बच्चे को शिक्षित करो, विषय को नहीं"।
91. (c) बाल संकेन्द्रित कक्षाओं का उद्देश्य बच्चों के हाथों में सीखने की स्वायत्तता एवं स्वतंत्रता प्रदान करना है।
92. (d) शिक्षार्थियों द्वारा की गई गलतियाँ उनके चिंतन को समझने के अवसर के रूप में देखी जानी चाहिए। शिक्षक को शिक्षार्थी द्वारा की गई गलतियों पर ध्यान देकर समझना चाहिए और उनके चिंतन में सुधार लाने का प्रयास करना चाहिए। ये गलतियाँ शिक्षक और शिक्षार्थियों को असफलता का सूचक नहीं है। इन गलतियों को कठोरता से नहीं निपटना चाहिए।
93. (d) बालकेन्द्रित शिक्षा-शास्त्र का अर्थ है - बच्चों की अभिव्यक्ति और उनकी सक्रिय भागीदारी को महत्व देना। बालकेन्द्रित शिक्षा में बच्चे को अपने भावों की अभिव्यक्ति बनाने की पूर्ण स्वतंत्रता दी जाती है। बच्चा प्रत्येक गतिविधि में अपनी योग्यता एवं रुचि के अनुसार सक्रिय भागीदार भी बनता है।
94. (d) एक कक्षा जिसमें शिक्षार्थी समूहों में बैठे हैं और शिक्षिका बारी-बारी से प्रत्येक समूह में जा रही है। ऐसी कक्षा बाल केन्द्रित कक्षा-कक्ष को प्रदर्शित करती है। इसी कारण शिक्षिका सभी शिक्षार्थियों पर ध्यान दे रही है।
96. (c) प्रगतिशील शिक्षा पद्धति (बाल-केन्द्रित शिक्षा) का प्रतिपादन जॉन डेवी द्वारा किया गया। इस पद्धति में विद्यार्थी को शैक्षिक क्रियाकलाप करने में लिए पर्याप्त स्वतंत्रता प्रदान की जाती है।
98. (c) दो बालक एक दूसरे से मानसिक योग्यताओं, शारीरिक क्षमताओं तथा शील गुणों के आधार पर भिन्न होते हैं। ये विभिन्नताएँ एक व्यक्ति को दूसरे व्यक्ति से अलग करती हैं। अतः बालकों को शिक्षा उनकी वैयक्तिक भिन्नताओं को ध्यान में रखकर देनी चाहिए।
99. (c) व्यक्तिसापेक्ष अधिगम शिक्षण की एक विधि है जिसमें सामग्री, शिक्षण तकनीक, और सीखने की गति प्रत्येक विद्यार्थियों की क्षमताओं और हितों पर आधारित होती हैं।
101. (a) कक्षा में विविधता को संवोधित व स्वीकार करने का अर्थ है कि सभी बच्चे अपने तरीके से अद्वितीय हैं। एक शिक्षिका को अपनी कक्षा विविधता को स्वीकार कर उसका पूर्ण उपयोग करना चाहिए।
102. (b) विद्यार्थी असफल होते हैं क्योंकि शिक्षण उस तरीके से नहीं किया जाता जो उनके लिए सार्थक हो और विद्यालय व्यवस्था प्रत्येक विद्यार्थी की आवश्यकताओं और अभिरुचियों के अनुरूप नहीं होती।
103. (c) बालक की रुचियों, प्रवृत्तियों, तथा क्षमताओं को ध्यान में रखकर शिक्षा प्रदान करना ही बाल-केन्द्रित शिक्षा कहलाता है।
106. (b) बालक के मनोविज्ञान को समझते हुए शिक्षण की व्यवस्था करना तथा उसकी अधिगम सम्बंधी कठिनाइयों को दूर करना बाल केन्द्रित शिक्षा कहलाता है।

अभ्यास - 2

1. शैक्षिक निर्देशन का उद्देश्य है-
 - (a) बालकों को उपलब्ध स्तर को ऊँचा करना
 - (b) बालकों की क्षमताओं का विकास करना
 - (c) बालकों के व्यक्तित्व को प्रभावी बनाना
 - (d) उपरोक्त सभी।
2. व्यवसायिक निर्देशन उपयोगी है-
 - (a) बालक के उपयुक्त व्यवसाय के चयन में।
 - (b) सामाजिक के विकास हेतु
 - (c) बालक की योग्यता के अनुसार व्यवसाय चयन
 - (d) उपरोक्त सभी।
3. व्यवसायिक चयन है-
 - (a) व्यवसाय के चयन हेतु
 - (b) व्यक्ति को प्रधानता
 - (c) जटिल प्रक्रिया
 - (d) उपयोगी।
4. बाल-केन्द्रित शिक्षा से सम्बन्धित है-
 - (a) बालकों के अनुभवों को महत्व
 - (b) बालकों की सक्रिय सहभागिता
 - (c) मनोवैज्ञानिक आधार पर शिक्षा का आयोजन
 - (d) उपरोक्त सभी।
5. बाल-केन्द्रित शिक्षा की बात को-
 - (a) आदर्शवादियों ने
 - (b) प्रकृतिवादियों ने
 - (c) अस्तित्ववादियों ने
 - (d) इनमें से किसी ने नहीं।
6. प्रगतिशील शिक्षा की मुख्य विशेषताएँ-
 - (a) करके सीखने पर बल
 - (b) समस्या समाधान व आलोचनात्मक चिन्तन
 - (c) सामाजिक कुशलता व सामूहिक कार्यों पर बल
 - (d) उपरोक्त सभी।
7. व्यक्तिगत विभिन्नता के कारण है-
 - (a) शारीरिक आधार
 - (b) मानसिक आधार
 - (c) व्यक्तित्व के गुण
 - (d) ये सभी।
8. जब एक व्यक्ति दूसरे व्यक्ति से रूप, रंग, रुचि, अभिरुचि आदि में भिन्न हो, तो यह कहा जाता है-
 - (a) अधिगम अक्षमता
 - (b) वैयक्तिक विभिन्नता
 - (c) विकृत व्यक्तित्व
 - (d) इनमें से कोई नहीं।
9. व्यक्तिगत विभिन्नता का आधार है-
 - (a) वंशानुक्रम
 - (b) पर्यावरण
 - (c) आयु व बुद्धि
 - (d) ये सभी।
10. वैयक्तिक विभिन्नता को जानने के लिए कौन-सी विधि नहीं है?
 - (a) बुद्धि परीक्षण
 - (b) व्यक्ति इतिहास विधि
 - (c) व्यक्तिगत परीक्षण
 - (d) अन्तर्दर्शन विधि।
11. वैयक्तिक विभिन्नता पर आधारित शिक्षण विधि है-
 - (a) डाल्टन प्रणाली
 - (b) प्रोजेक्ट प्रणाली
 - (c) माण्टेसरी प्रणाली
 - (d) उपरोक्त सभी।
12. वैयक्तिक विभिन्नता पर आधारित विधि नहीं है-
 - (a) डेकली
 - (b) विनेटिका
 - (c) क्रिण्डरगार्टन
 - (d) व्याख्यान विधि।
13. वैयक्तिक विभिन्नता का अर्थ है-
 - (a) किन्हीं दो व्यक्तियों में शारीरिक विभिन्नता है
 - (b) किन्हीं दो व्यक्तियों में शारीरिक, मानसिक, संवेगात्मक विभिन्नता होना
 - (c) सभी व्यक्तियों का व्यक्तित्व समान होना
 - (d) उपरोक्त सभी।
14. वैयक्तिक विभिन्नता के कारण हैं-
 - (a) आनुवंशिकता
 - (b) वातावरण
 - (c) शारीरिक मानसिक विचारों का प्रभाव
 - (d) उपरोक्त सभी।

15. सन् 1960 में सबसे पहले किसने सिद्ध किया कि व्यक्तियों में उच्च बौद्धिक क्षमता उसके वंशानुक्रम का परिणाम है?
 (a) गाल्टन (b) टायलर
 (c) युंग (d) इनमें से कोई नहीं।
16. किण्डर गार्टन प्रणाली के जन्मदाता हैं-
 (a) रूसो (b) फ्रोबेल
 (c) पेस्टालोजी (d) इनमें से कोई नहीं।
17. ग्रीक भाषा में ह्युरिस्टिक शब्द का अर्थ है-
 (a) नष्ट (b) विकास
 (c) उत्पन्न (d) इनमें से कोई नहीं
18. विनेटिका प्रणाली के जन्मदाता हैं-
 (a) कार्लटन वाशबर्न
 (b) ओविड डेक्रोली
 (c) डब्लू. ए. बर्ट
 (d) इनमें से कोई नहीं।
19. कहानी पद्धति उपयोगी है-
 (a) छोटे बच्चों के लिए
 (b) बड़े बच्चों के लिए
 (c) कठिन विषय हेतु
 (d) छोटे बच्चों को रोचक ढंग से पढ़ाने हेतु।
20. बाल-केन्द्रित शिक्षा का महत्व निम्न कारण से है-
 (a) बालक प्रधान शिक्षा
 (b) सरल व रुचिपूर्ण
 (c) आत्म-अभिव्यक्ति के अवसर
 (d) उपरोक्त सभी।

उत्तरमाला

1	(d)	4	(d)	7	(d)	10	(d)	13	(b)	16	(b)	19	(d)
2	(c)	5	(b)	8	(b)	11	(b)	14	(d)	17	(c)	20	(d)
3	(a)	6	(d)	9	(d)	12	(d)	15	(a)	18	(a)		

बुद्धि निर्माण एवं बहुआयामी बुद्धि

पशुओं की तुलना में मनुष्य को कई ज्ञातात्मक योग्यताओं से सम्पन्न मानते हैं, ये उसे विवेकशील प्राणी बनाती है। मनुष्य में तर्क करने, मनन करने, समझने व नई स्थिति का सामना करने की योग्यता होती है। निश्चित रूप से वह पशुओं से श्रेष्ठ है, परन्तु सभी मनुष्य एक से नहीं होते। वे कौन से कारण हैं जिनके कारण एक व्यक्ति दूसरों की अपेक्षा किसी विशिष्ट स्थिति के प्रति अधिक प्रभावशाली अनुक्रिया करता है। इसमें कोई संदेह नहीं कि रुचि, अभिवृत्ति, प्राप्त ज्ञान एवं कौशल की सफलता प्राप्ति में महत्वपूर्ण योगदान होता है, परन्तु फिर भी ऐसा कोई तत्त्व अवश्य है जो इन विभिन्नताओं का कारण है, मनोविज्ञान में इसे बुद्धि कहा जाता है।

बुद्धि एक ऐसा मानसिक तत्त्व है जिसके कारण दो बालकों को एक ही ढंग से पढ़ाये जाने पर उनके समझने में अन्तर आ जाता है, विद्वानों ने बुद्धि को विभिन्न प्रकार से परिभाषित किया है—

वेगनर - अपेक्षाकृत नई एवं परिवर्तित स्थितियों को समझने तथा उनके अनुसार समायोजित करने की योग्यता बुद्धि है।

टर्मन - व्यक्ति जिस अनुपात में अमूर्त चिन्तन करता है, उसी अनुपात में बुद्धिमान कहलाता है।

रॉस - नवीन परिस्थितियों से चेतन अनुकूलन ही बुद्धि है।

मन - नवीन परिस्थितियों को झेलने की मरिस्थक की नमनीयता बुद्धि है।

बर्ट - बुद्धि अच्छी तरह निर्णय करने, समझने एवं तर्क करने की योग्यता है।

वेशलर - बुद्धि एक समुच्चय या सार्वजनिक क्षमता, जिसके सहारे व्यक्ति उद्देश्यपूर्ण क्रिया करता है, विवेकशील चिन्तन करता है तथा वातावरण के साथ प्रभावपूर्ण समायोजन करता है।

निष्कर्षतः हम कह सकते हैं कि बुद्धि व्यक्ति की वे मानसिक व ज्ञातात्मक योग्यतायें हैं जो उसे जीवन की वास्तविक समस्याओं को सुलझने में सहायता देती हैं और उसके आनंदपूर्ण एवं संतुष्ट जीवन-यापन में सहायक होती हैं।

बुद्धि के सिद्धान्त : बुद्धि को स्वरूप की व्याख्या करने हेतु बुद्धि के विभिन्न सिद्धान्तों का प्रतिपादन किया गया है, जो इस प्रकार हैं:

एक कारक सिद्धान्त (Unifactor Theory)

- कारक** : इस सिद्धान्त का प्रतिपादन **अल्फर्ड विने** ने किया। बुद्धि में केवल एक तत्त्व की उपस्थिति बतायी जो व्यक्ति को सभी क्रियाओं में विद्यमान होता है। एक व्यक्ति में यदि बुद्धि का भंडार है तो वह उसे जीवन के किसी भी क्षेत्र में प्रयुक्त कर सकता है और सभी क्षेत्रों में सफलता प्राप्त कर सकता है, परन्तु यह सिद्धान्त सही व्याख्या नहीं करता। जो व्यक्ति गणित में निपुण है वह अंग्रेजी विषय में भी निपुण हो, यह आवश्यक नहीं है। इसी प्रकार विज्ञान का छात्र, कला में भी अच्छे अंक प्राप्त करें, यह आवश्यक नहीं है।
- द्विकारक सिद्धान्त (Two Factor Theory)** : इसके अनुसार बुद्धि में दो तत्त्व होते हैं—एक सामान्य तत्व (general) होता है जो सभी बौद्धिक क्रिया में विद्यमान रहता है तथा एक विशिष्ट तत्व ('a' specific), जो सभी क्रियाओं में विद्यमान नहीं रहता। सामान्य तत्व तथा किसी एक विशिष्ट तत्व में जितना उच्च सहसम्बंध होगा, व्यक्ति उस विशिष्ट तत्व के क्षेत्र में उतनी ही अधिक प्रगति करेगा।

3. **बहुकारक सिद्धान्त (Multi Factor Theory) :** इस सिद्धान्त के मुख्य समर्थक ई.एल. थर्नडाइक ने इस सिद्धान्त के अनुसार बताया है कि बुद्धि कई तत्वों का समूह होती है और प्रत्येक तत्व में कोई सूक्ष्म योग्यता निहित होती है। बुद्धि में कई स्वतंत्र, विशिष्ट योग्यताएँ होती हैं जो विभिन्न कार्यों को सम्पादित करती हैं। बुद्धि में आकिक योग्यता, शाब्दिक योग्यता, दिशा योग्यता, तर्क योग्यता, स्मरणशक्ति, भाषण योग्यता आदि होती है।
4. **समूह तत्व सिद्धान्त (Group Factor Theory) :** वे तत्व जो सभी प्रतिभात्मक योग्यताओं में तो सामान्य नहीं होते, परन्तु कई क्रियाओं में सामान्य होते हैं, उन्हें ग्रुप तत्व की संज्ञा दी गई है। इस सिद्धान्त के समर्थक **थर्स्टन** थे। प्राथमिक मानसिक योग्यताओं का परीक्षण करते हुए वे इस निष्कर्ष पर पहुँचे कि कुछ मानसिक क्रियाओं में एक प्रमुख तत्व सामान्य रूप से विद्यमान होता है जो क्रियाओं को मनोवैज्ञानिक एवं क्रियात्मक एकता प्रदान करता है और अन्य मानसिक क्रियाओं से अलग करता है। थर्स्टन ने सात प्राथमिक मानसिक योग्यताओं का प्रतिपादन किया-
 1. प्रेक्षण योग्यता (Spatial ability)
 2. अंक योग्यता (Number ability)
 3. शाब्दिक योग्यता (Verbal ability)
 4. वाक् शक्ति (Word ability)
 5. स्मरणशक्ति (Memory ability)
 6. तार्किक योग्यता (Reasoning ability)
 7. पर्यवेक्षण शक्ति (Cereptual ability)
5. **प्रतिदर्श सिद्धान्त (Sampling theory) :** बुद्धि कई स्वतंत्र तत्वों से बनी होती है। कोई विशिष्ट परीक्षण या विद्यालय सम्बन्धी क्रिया में इनमें से कुछ तत्व स्पर्ध रूप से दिखाई देने लगते हैं, यह भी संभव है कि दो या अधिक परीक्षाओं में एक ही प्रकार के तत्व दिखाई दें। तब उनमें से एक सामान्य तत्व को विद्यमानता मानी जाती है, यह भी संभव है कि अन्य परीक्षाओं में विभिन्न तत्व दिखाई दें। तब उनमें से कोई भी तत्व सामान्य न होकर प्रत्येक तत्व विशिष्ट होगा।

बहुआयामी सिद्धान्त (Multi Dimensional)

जे.पी. गिल्फोर्ड ने बुद्धि का एक प्रतिमान विकसित किया। उन्होंने किसी भी मानसिक प्रक्रिया या बौद्धिक कार्य को तीन आधारभूत आयामों-सक्रिया, सूचना-सामग्री या विषयवस्तु तथा उत्पादन में बांटा।

सक्रिया से तात्पर्य हमारी उस मानसिक चेष्टा या कार्यशीलता से होता है जिसकी मदद से हम किसी भी सूचना-सामग्री या विषय-वस्तु को अपने चिन्तन तथा मनन का विषय बनाते हैं या इस प्रकार कहें कि इसे चिन्तन या मनन का प्रयोग करते हुए अपनी बुद्धि को काम में लाने का प्रयास कहा जा सकता है।

चिन्तन व मनन के लिए जिस प्रकार की विषय-वस्तु या सूचना-सामग्री की सहायता लेते हैं, उसे बुद्धि को प्रयोग में लाने का दूसरा आधारभूत आयाम विषय-वस्तु (Content) कहा जा सकता है।

बौद्धिक सक्रिया के द्वारा सूचना सामग्री या विषय-वस्तु को लेकर जिस प्रकार की बौद्धिक प्रक्रिया की जाती है, उसके परिणामस्वरूप जो कुछ भी हमें प्राप्त होता है, उसे उत्पाद (Product) का नाम दिया जाता है।

बुद्धि की विशेषताएँ

बुद्धि एक सामान्य योग्यता है, इस योग्यता के व्यक्ति अपने को तथा दूसरों को समझता है। बुद्धि की विशेषताएँ निम्न हैं-

1. बुद्धि व्यक्ति की जन्मजात शक्ति है।
2. बुद्धि व्यक्ति को अमूर्त चिन्तन की योग्यता प्रदान करती है।
3. बुद्धि व्यक्ति को विभिन्न बातों को सीखने में सहायता देती है।
4. बुद्धि व्यक्ति को अपने गत अनुभवों से लाभ उठाने की क्षमता देती है।
5. बुद्धि व्यक्ति को भले-बुरे, सत्य-असत्य, नैतिक व अनैतिक में अन्तर करने की योग्यता प्रदान करती है।
6. बुद्धि पर वंशानुक्रम व वातावरण का प्रभाव पड़ता है।
7. बुद्धि का विकास जन्म से किशोरावस्था तक माना जाता है।
8. लिंगभेद के कारण बालकों व बालिकाओं की बुद्धि में बहुत ही कम अन्तर होता है।

बुद्धि के प्रकार

(A) गैरिट ने तीन प्रकार की बुद्धि का उल्लेख किया है-

1. **मूर्त बुद्धि**-इसे गामक या यान्त्रिक बुद्धि भी कहते हैं, इसका सम्बन्ध यंत्रों व मशीनों से होता है। जिस व्यक्ति में यह बुद्धि होती है, वह यंत्रों व मशीनों कार्यों में विशेष रुचि लेता है। इस बुद्धि के बालक अच्छे कारीगर, मैकेनिक, इंजीनियर तथा औद्योगिक कार्यकर्ता आदि होते हैं।
2. **अमूर्त बुद्धि**- इसका सम्बन्ध पुस्तकीय ज्ञान से होता है, जिस व्यक्ति में यह बुद्धि होती है वह ज्ञानार्जन में विशेष रुचि लेता है। वे व्यक्ति अच्छे वकील, डाक्टर, दार्शनिक, चित्रकार व साहित्यकार आदि होते हैं।
3. **सामाजिक बुद्धि**- इस बुद्धि का सम्बन्ध व्यक्तिगत व सामाजिक कार्यों से होता है। इसके अन्तर्गत आने वाले व्यक्ति मिलनसार, सामाजिक कार्यों में रुचि लेने वाले व मानव सम्बन्ध के ज्ञान से परिपूर्ण होते हैं। ये व्यक्ति अच्छे व्यवसायी, कूटनीतिज्ञ व सामाजिक कार्यकर्ता होते हैं।

(B) थर्नडाइक ने बुद्धि का वर्गीकरण इस प्रकार किया है-

1. **अमूर्त बुद्धि**- शब्दों, प्रतीकों, समस्या-समाधान आदि के रूप में अमूर्त बुद्धि का प्रयोग किया जाता है।
2. **सामाजिक**- समाज में समायोजन किया जाता है।
3. **यांत्रिक**-व्यक्ति यंत्रों व भौतिक वस्तुओं का परिचालन करता है।

बुद्धि का मापन

गेट्स व अन्य कहते हैं- बुद्धि परीक्षाएँ व्यक्ति की सम्पूर्ण योग्यता का मापन नहीं करतीं, पर वे उनके एक अति महत्वपूर्ण पहलु का अनुमान करती हैं, जिसका शैक्षिक सफलता से और कुछ मात्रा में अन्य क्षेत्रों से निश्चित सम्बन्ध है। यही कारण है कि बुद्धि परीक्षाएँ शिक्षा की महत्वपूर्ण साधन बन गई हैं। शिक्षा में इनका प्रयोग अनेक महत्वपूर्ण व व्यवहारिक कार्यों के लिये किया जाता है। ये इस प्रकार हैं-

1. **सर्वोत्तम बालक के चुनाव हेतु** : इन परीक्षाओं की सहायता से विद्यालय प्रवेश, छात्रवृत्तियों, वाद-विवाद और इसी प्रकार की अन्य प्रतियोगिताओं के लिए सर्वोत्तम बालकों का चुनाव किया जा सकता है।
2. **पिछड़े बालकों का चुनाव** : बुद्धि परीक्षाओं का प्रयोग करके पिछड़े हुए मानसिक व शारीरिक दोषों वाले बालकों का सरलता से चुनाव किया जा सकता है व शिक्षा हेतु विशिष्ट विद्यालयों में भेजा जा सकता है।
3. **अपराधी व समस्यात्मक बालकों का सुधार** : इन परीक्षाओं द्वारा यह मालूम करने का प्रयास किया जाता है कि बालक अपराधी, असंतुलित व समस्यात्मक क्यों है? वे ऐसे बुद्धि की कमी के कारण है या किसी और कारण से है। कारण ज्ञात होने पर उपचार करके उनमें सुधार किया जा सकता है।
4. **बालकों का वर्गीकरण** : बालकों का वर्गीकरण तीव्र, मन्द व साधारण बुद्धि वाले बालकों में विभक्त कर सकते हैं व उसी के अनुसार शिक्षा दी जा सकती है।
5. **बालकों की विशिष्ट योग्यताओं का ज्ञान** : बुद्धि परीक्षाओं द्वारा बालकों की विशिष्ट योग्यताओं की जानकारी प्राप्त करके, उनको उचित शैक्षिक निर्देशन दिया जा सकता है।
6. **बालकों की क्षमतानुसार कार्य** : गेट्स व अन्य के अनुसार, बुद्धि परीक्षाओं द्वारा बालकों की सामान्य योग्यता व मानसिक आयु को ज्ञात करके यह अनुमान लगाया जा सकता है कि उनमें कार्य करने की कितनी क्षमता है व उसी के अनुसार कार्य दिया जा सकता है।
7. **बालकों की भावी सफलता का ज्ञान** : डगलस व हालेण्ड का कथन है बुद्धि परीक्षाएँ छात्रों की भावी सफलताओं की भविष्यवाणी करती हैं।
8. **राष्ट्र के बालकों की बुद्धि का ज्ञान** : बुद्धि परीक्षाओं द्वारा राष्ट्र के किसी वय वर्ग के बालकों की बुद्धि को ज्ञात किया जा सकता है। इससे यह जानकारी प्राप्त की जा सकती है कि दो राष्ट्रों के बालकों के बौद्धिक स्तर में कितना अन्तर है।

बुद्धि परीक्षण

बुद्धि को माप बुद्धि परीक्षण द्वारा की जाती है। बुद्धि परीक्षण के आधार पर बुद्धि-लब्धि 'I.Q.' ज्ञात की जाती है। बुद्धि-लब्धि (Intelligent Quotient) का संप्रत्यय **टर्मन** ने दिया, जबकि जर्मनी के **विलियम स्टैन** ने 1912 में इसके विषय में सुझाव रखे थे। इसका सूत्र इस प्रकार है-

$$\text{बुद्धि-लब्धि} = \frac{\text{मानसिक अवु}}{\text{वास्तविक अवु}} \times 100$$

टर्मन ने 1916 में स्टैनफोर्ड बिने परीक्षण के साथ बुद्धि-लब्धि के वितरण की तालिकाएँ भी प्रस्तुत कीं जिनमें विभिन्न बुद्धि-लब्धि गुणकों के लिये बालकों व व्यक्तियों की प्रतिशत संख्याएँ भी दी थीं।

बुद्धि-लब्धि का वितरण		
बुद्धि (I.Q.)	प्रतिशत %	वर्ग Category
140 से अधिक	1	प्रतिभाशाली (Genius)
121-140	5	प्रखर बुद्धि (Superior)
111-120	14	तीव्र बुद्धि (Above Average)
91-110	60	सामान्य बुद्धि (Average)
81-90	14	मंद (Feeble minded)
71-80	5	अल्प (Dull)
71 से कम	1	जड़ (Idiot)

अल्फर्ड बिने ने 1905 में सर्वप्रथम बुद्धि परीक्षण का निर्माण किया। इसके बाद बुद्धि को मापने के लिए अनेक परीक्षण बनाये गये व इन्हें बनाने का क्रम आज भी पूरी विश्व में चल रहा है। बुद्धि परीक्षणों का वर्गीकरण कई आधारों पर किया जा सकता है-

- प्रशासन या क्रियान्वयन के आधार पर वर्गीकरण-
 - वैयक्तिक बुद्धि परीक्षण
 - सामूहिक बुद्धि परीक्षण
- पदों या प्रश्नों के स्वरूप के आधार पर वर्गीकरण-
 - शाब्दिक बुद्धि परीक्षण
 - अशाब्दिक बुद्धि परीक्षण
 - क्रियात्मक बुद्धि परीक्षण
 - अभाषायी बुद्धि परीक्षण
- अन्य आधार पर-
 - गति बुद्धि परीक्षण
 - शक्ति बुद्धि परीक्षण
- (A) वैयक्तिक बुद्धि परीक्षण**
 - एक समय पर एक ही व्यक्ति पर क्रियान्वयन।
 - बिने साइमन, कोहज ब्लॉक डिजाइन, अलेक्जेंडर फास एलांग परीक्षण प्रमुख उदाहरण हैं।
 - (B) सामूहिक बुद्धि परीक्षण**
 - एक समय में दो या दो से अधिक व्यक्तियों पर प्रशासित।
 - आर्मी अल्फा परीक्षण, आर्मी बीटा परीक्षण, प्रयाग मेहता सामूहिक बुद्धि परीक्षण, एम.सी. जोशी मानसिक योग्यता प्रमुख उदाहरण हैं।

2. (A) शाब्दिक बुद्धि परीक्षण

- जिनके पद या प्रश्न लिखित भाषा या शब्दों में होते हैं।
- पढ़े-लिखे व्यक्तियों पर प्रशासित किये जाते हैं।
- दो प्रकार के होते हैं।



शाब्दिक वैयक्तिक बुद्धि परीक्षण	शाब्दिक सामूहिक बुद्धि परीक्षण
• एक व्यक्ति पर प्रशासित	• समूह पर प्रशासित।
• प्रश्नों में शब्दों का प्रयोग	• प्रश्नों में शब्दों का प्रयोग
• मुख्य उदाहरण – बिने सैलमन परीक्षण	• मुख्य उदाहरण – आनी अल्फा, आर्मी क्लासीफिकेशन

(B) अशाब्दिक बुद्धि परीक्षण

- समूह व वैयक्तिक, दोनों पर प्रशासित।
- प्रश्न या पद अशाब्दिक, भाषा का प्रयोग नहीं।
- निर्देश, प्रशासन में भाषा का प्रयोग।
- कोई नमूना, चित्र आदि बनाना होता है।
- रेवेन प्रोग्रेसिव मैट्रिस, मुख्य उदाहरण

(C) क्रियात्मक बुद्धि परीक्षण

- निर्देश व प्रशासन में भाषा, चित्राभिनय, व हाव-भाव का प्रयोग।
- भाषा का नहीं।
- वस्तुओं को जोड़-तोड़ कर आकृति बनानी होती है।
- पहला नाम 'सेगुइन फार्म बोर्ड' था।
- कोहज ब्लॉक, अलेक्जेंडर पास एलांग मुख्य उदाहरण।

(D) अभाषाई बुद्धि परीक्षण

- प्रश्नों में भाषा का प्रयोग नहीं।
- निर्देशों में भी भाषा का प्रयोग नहीं।
- जोड़-तोड़ कर ड्राइंग के आधार पर बनाना होता है।
- संस्कृति मुक्त परीक्षण कैंटेल निर्मित, ड्रा-ए-मैन परीक्षण गुडएनक द्वारा निर्मित मुख्य उदाहरण हैं।

3. (A) गति बुद्धि परीक्षण

- प्रश्नों का कठिनाई स्तर सामान्य।
- प्रश्नों की संख्या अधिक होने के कारण दिये गये समय में सभी प्रश्नों को हल करना मुश्किल होता है।
- जितने अधिक प्रश्नों का उत्तर दिया जाता है, उसी के आधार पर बुद्धि का मापन करता है।
- बुद्धि का सम्बन्ध प्रश्नों को हल करने की गति से है।

(B) शक्ति बुद्धि परीक्षण

- इनके प्रश्न या पद सरल, कठिन, अधिक कठिन व अन्त में सबसे कठिन, इस क्रम में होते हैं।
- किस स्तर तक प्रश्नों को सही-सही हल किया, बुद्धि को इस आधार पर मापते हैं।
- अलेक्जेंडर पास एलांग प्रमुख उदाहरण हैं।

व्यक्तिगत व सामूहिक बुद्धि परीक्षणों में अन्तर

व्यक्तिगत परीक्षण	सामूहिक परीक्षण
एक समय में एक व्यक्ति की परीक्षा।	एक समय में अधिक लोगों की परीक्षा।
छोटे बालकों के लिए अधिक उपयुक्त।	बड़े बालकों व वयस्कों के लिए अधिक उपयुक्त।
अनुभवी व प्रशिक्षित व्यक्ति ही ले सकता है।	सामान्य योग्यता का व्यक्ति ले सकता है।
अधिक समय लगता है।	कम समय लगता है।
परीक्षण परीक्षाधी में निकट सम्बन्ध।	निकट सम्पर्क स्थापित नहीं होता।
परीक्षण परीक्षाधी के गुण-दोषों का पूर्ण अध्ययन करता है।	केवल सामान्य अध्ययन कर सकता है।
अधिक धन व्यय होता है।	कम धन की आवश्यकता।
प्रश्नों की संख्या कम होती है।	प्रश्नों की संख्या अधिक होती है।
परीक्षाधी परीक्षा के प्रति सतर्क।	परीक्षाधी उदासीन हो सकता है।
परीक्षणों की विश्वसनीयता व प्रामाणिकता अधिक होती है।	विश्वसनीयता व प्रामाणिकता अपेक्षित कम होती है।
परीक्षणों में अनुचित साधनों का प्रयोग संभव नहीं।	अनुचित साधनों का प्रयोग होने की संभावना होती है।

शाब्दिक व अशाब्दिक बुद्धि परीक्षणों में अन्तर

शाब्दिक	अशाब्दिक
पद या प्रश्नों में शब्दों या भाषा का प्रयोग।	पद स्थूल सामग्री या चित्रों में होते हैं।
उत्तर भाषा के माध्यम से देते हैं।	उत्तर चित्रपूर्ण करके कोई आकृति बनाकर या वस्तु को छोट कर देते हैं।
भाषा जानने वाले व पढ़े-लिखे लोगों पर प्रयुक्त।	पढ़ा-लिखा होना या भाषा जानना आवश्यक नहीं।
मन्दबुद्धि, गूँगे, बहरों पर प्रयोग नहीं।	यह इन सभी पर प्रयुक्त हो सकती है।

अभ्यास-1 : विगत वर्षों के CTET एवं STET के प्रश्न

1. 'पुरुष स्त्रियों की अपेक्षा ज्यादा बुद्धिमान होते हैं।' यह कथन- [CTET-2011-II]
 - (a) बुद्धि के भिन्न पक्षों के लिए सही है
 - (b) सही है
 - (c) सही हो सकता है
 - (d) लैंगिक पूर्वाग्रह को प्रदर्शित करता है।
2. गिलफोर्ड ने 'अभिसारी चिन्तन' पद का प्रयोग समान अर्थ में किया है- [RTET-2011-II]
 - (a) बुद्धि
 - (b) सृजनात्मकता
 - (c) बुद्धि एवं सृजनात्मकता
 - (d) इनमें से कोई नहीं।
3. व्यक्तित्व एवं बुद्धि में वंशानुक्रम की-
 - (a) नाममात्र की भूमिका है
 - (b) महत्वपूर्ण भूमिका है [RTET-2011-II]
 - (c) अपूर्वानुमेय भूमिका है
 - (d) आकर्षक भूमिका है।
4. बालक प्रसंगबोध परीक्षण 3 वर्ष से 10 वर्ष की आयु के बालकों के लिए बनाया गया है। इस परीक्षण में कार्ड में प्रतिस्थापित किये गये हैं
 - (a) सजीव वस्तुओं के स्थान पर निर्जीव वस्तुओं को [RTET-2011-II]
 - (b) लोगों के स्थान पर जानवरों को
 - (c) पुरुषों के स्थान पर महिलाओं को
 - (d) वयस्क के स्थान पर बालकों को।
5. निम्न में से कौन शिक्षण-अधिगम का स्तर नहीं है? [UPTET-2011-II]
 - (a) विभेदीकरण स्तर
 - (b) स्मृति स्तर
 - (c) चिंतनशील स्तर
 - (d) समझ स्तर।
6. एक बालक जिसको बुद्धि-लब्धि 105 है, उसे वर्गीकृत किया जाएगा- [CGTET-2011-II]
 - (a) श्रेष्ठ बुद्धि
 - (b) सामान्य से अधिक बुद्धि
 - (c) सामान्य बुद्धि
 - (d) मन्द बुद्धि।
7. "बुद्धि के द्विखण्ड सिद्धान्त" का प्रतिपादन किसने किया? [CGTET-2011-II]
 - (a) स्पियरमैन
 - (b) थर्स्टन
 - (c) गिलफोर्ड
 - (d) गेने
8. हार्वर्ड गार्नर द्वारा निम्न में से एक को छोड़कर बाकी सभी बुद्धि के प्रकार बताए गए हैं-
 - (a) भाषा [CGTET-2011-II]
 - (b) सृजनात्मकता
 - (c) अंतर्वैयक्तिक कौशल
 - (d) अंतःवैयक्तिक कौशल।
9. बहुविध बुद्धि सिद्धान्त के अनुसार सभी प्रकार के पशुओं, खनिजों और पेड़-पौधों को पहचानने और वर्गीकृत करने की योग्यता कहलाती है। [CTET-2012-II]
 - (a) तार्किक-गणितीय बुद्धि
 - (b) प्राकृतिक बुद्धि
 - (c) भाषिक बुद्धि
 - (d) स्थानिक बुद्धि।
10. "अधिकांश व्यक्तियों को बुद्धि औसत होती है, बहुत कम लोग प्रतिभा-सम्पन्न होते हैं और बहुत कम व्यक्ति मन्दबुद्धि के होते हैं।" यह कथन के प्रतिस्थापित सिद्धान्त पर आधारित है। [CTET-2012-II]
 - (a) बुद्धि और जातीय विभिन्नताओं
 - (b) बुद्धि के वितरण
 - (c) बुद्धि की बुद्धि
 - (d) बुद्धि और लैंगिक विभिन्नताओं।
11. "तार्किक गणितीय बुद्धि" से सम्बन्धित है। [CTET-May-2012-II]
 - (a) द्वि-कारक सिद्धांत
 - (b) समूह कारक सिद्धांत
 - (c) परानुक्रमिक सिद्धांत
 - (d) बहुबुद्धि सिद्धांत
12. बहुबुद्धि सिद्धांत निम्नलिखित निहितार्थों के साथ- [CTET-Nov. 2012-II]
 - (a) बुद्धि प्रक्रमण सक्रियाओं का एक विशिष्ट समुच्चय है जिसका उपयोग एक व्यक्ति द्वारा समस्या समाधान के लिए किया जाता है

- (b) विषयों को विभिन्न तरीकों से प्रस्तुत किया जा सकता है
- (c) विविध तरीकों से सीखने का आकलन किया जा सकता है
- (d) संवेगात्मक बुद्धि, बुद्धि-लब्धि से सम्बन्धित नहीं है।
13. 16-वर्षीय बच्चा बुद्धि-लब्धि परीक्षण में 75 अंक प्राप्त करता है, उसकी मानसिक आयु ... वर्ष होगी। [CTET-Nov. 2012-I]
- (a) 12 (b) 8
- (c) 14 (d) 15
14. बुद्धि-लब्धियों के सामान्यतः रूप से शैक्षणिक निष्पादन से संबंधित होते हैं। [CTET-Nov. 2012-I]
- (a) कम-से-कम (b) पूर्ण
- (c) उच्च (d) मध्यम
15. एकसमान जुड़वाँ भाइयों में से एक को सामाजिक-आर्थिक रूप से धनाढ्य परिवार द्वारा गोद लिया जाता है और दूसरे को एक निर्धन परिवार द्वारा। एक वर्ष के बाद उनके बुद्धि-लब्धियों के बारे में निम्नलिखित में से क्या अवलोकित होने की सर्वाधिक संभावना है? [CTET-Nov. 2012-I]
- (a) सामाजिक-आर्थिक स्तर बुद्धि-लब्धियों को प्रभावित नहीं करता
- (b) निर्धन परिवार वाले लड़के को अपेक्षा धनी सामाजिक-आर्थिक परिवार वाला लड़का अधिक अंक प्राप्त करेगा।
- (c) दोनों समान रूप से अंक प्राप्त करेंगे
- (d) धनी सामाजिक आर्थिक परिवार वाले लड़के की अपेक्षा निर्धन परिवार वाला लड़का अधिक अंक प्राप्त करेगा।
16. रेवन का प्रोग्रेसिव मैट्रिसिज परीक्षण परीक्षण का उदाहरण है। [CTET-Nov. 2012-I]
- (a) व्यक्तिगत
- (b) मौखिक बुद्धि-लब्धिका
- (c) संस्कृति-मुक्त बुद्धि-लब्धिका
- (d) अ-समूह बुद्धि-लब्धिका
17. प्रतिभावान बालक की बुद्धि-लब्धि होती है - [HTET 2012-I]
- (a) 130 (b) 140
- (c) 125 (d) 120
18. व्यक्तिगत मापन का स्याही धब्बा परीक्षण है-
- (a) आत्मनिष्ठ परीक्षण [HTET 2012-I]
- (b) वस्तुनिष्ठ परीक्षण
- (c) प्रक्षेपण परीक्षण
- (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं।
19. के अतिरिक्त बुद्धि के निम्नलिखित पक्षों को स्टेनबर्ग के त्रितंत्र सिद्धांत में संबंधित किया गया है। [CTET-2013-II]
- (a) अवयवभूत (b) सामाजिक
- (c) आनुवंशिक (d) संदर्भगत
20. हार्वर्ड गार्डनर का बुद्धि का सिद्धांत पर बल देता है। [CTET-2013-II]
- (a) सामान्य बुद्धि
- (b) विद्यालय में आवश्यक समान योग्यताओं
- (c) प्रत्येक व्यक्ति की विलक्षण योग्यताओं
- (d) शिक्षार्थियों में अनुबंधित कौशलों।
21. निम्नलिखित में से कौन-सी बहुबुद्धि सिद्धांत को आलोचना है? [CTET-2013-II]
- (a) बहुबुद्धि केवल 'प्रतिभाएं' हैं जो पूर्ण रूप में बुद्धि में विद्यमान रहती हैं
- (b) बहुबुद्धि शिक्षार्थियों को अपनी रुझान को खोजने में मदद उपलब्ध कराती है
- (c) यह व्यावहारिक बुद्धि पर आवश्यकता से अधिक बल देती है
- (d) यह आनुवंशिक साक्ष्यों को बिल्कुल भी समर्थन नहीं दे सकती
22. करनैल सिंह कानूनी कार्यवाही तथा खर्च के बावजूद आयकर नहीं देते। वे सोचते हैं कि वे एक भ्रष्ट सरकार को समर्थन नहीं दे सकते जो अनावश्यक बाँधों के निर्माण पर लाखों रुपये खर्च करती है। वे संभवतः कोहलबर्ग के नैतिक विकास को किस अवस्था में हैं? [CTET-2013-II]
- (a) परंपरागत (b) परच-परंपरागत
- (c) पूर्व-परंपरागत (d) परा-परंपरागत
23. जो बुद्धि सिद्धांत बुद्धि में सम्मिलित मानसिक प्रक्रियाओं (जैसे परा-घटक) और बुद्धि द्वारा लिए जा सकने वाले विविध रूपों (जैसे सृजनात्मक बुद्धि) को शामिल करता है, वह है- [CTET-2013-II]

- (a) स्पीयरमैन का 'जी' कारक
(b) स्टर्नबर्ग का बुद्धिमत्ता का त्रितंत्र सिद्धांत
(c) बुद्धि का सावेट सिद्धांत
(d) थर्स्टन की प्राथमिक मानसिक योग्यताएँ।
24. निम्नलिखित में से कौन-सा आलोचनात्मक दृष्टिकोण 'बहु-बुद्धि सिद्धान्त' से सम्बद्ध नहीं है? [CTET-Feb.-2014-I]
- (a) यह शोधाधारित नहीं है
(b) विभिन्न बुद्धियाँ भिन्न-भिन्न विद्यार्थियों के लिए विभिन्न पद्धतियों को मांग करती हैं
(c) प्रतिभाशाली विद्यार्थी प्रायः एक क्षेत्र में ही अपनी विशिष्टता प्रदर्शित करते हैं
(d) इसका कोई अनुभवात्मक आधार नहीं है
25. 'बहु-बुद्धि सिद्धान्त' को वैध नहीं माना जा सकता, क्योंकि - [CTET-Feb.-2014-I]
- (a) विशिष्ट परीक्षणों के अभाव में भिन्न बुद्धियों का मापन सम्भव नहीं है
(b) यह सभी सात बुद्धियों को समान महत्व नहीं देता है
(c) यह केवल अब्राहम मैस्लो के जीवन-भर के सुदृढ़ अनुभवात्मक अध्ययन पर आधारित है
(d) यह सर्वाधिक महत्वपूर्ण सामान्य बुद्धि 'g' के अनुकूल (सुसंगत) नहीं है।
26. निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सत्य है? [CTET-Feb.-2014-I]
- (a) अनुवांशिक बुनावट व्यक्ति की, परिवेश की गुणवत्ता के प्रति, प्रत्युत्तरात्मकता को प्रभावित करती है
(b) गोद लिए बच्चों का वही बुद्धि लब्ध्यांक (IQ) होता है, जो गोद लिए गए उनके सहोदर भाई-बहनों का होता है
(c) अनुभव मस्तिष्क के विकास को प्रभावित नहीं करता
(d) विद्यालयीकरण का बुद्धि पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता।
27. एक ग्यारह-वर्षीय बच्चे ने 'स्टैनफोर्ड-बिने बुद्धि मापनी' में 130 अंक पाए। मान लीजिए कि एक सामान्य सम्भाव्य वक्र में $\mu = 100$ तथा $\sigma = 15$ है, तो उन ग्यारह-वर्षीय बच्चों के प्रतिशत की

गणना कीजिए जिनसे इस बच्चे ने बेहतर अंक प्राप्त किए। [CTET-Feb.-2014-II]

- (a) 98% (b) 88%
(c) 78% (d) 80%

28. निम्नलिखित में से कौन-सा निरीक्षण हॉवर्ड गार्डनर के बहुविध-बुद्धि सिद्धान्त का समर्थन करता है? [CTET Feb-2014-II]

- (a) मस्तिष्क के एक भाग में हुई क्षति केवल किसी एक विशिष्ट योग्यता को प्रभावित करती है, न कि सम्पूर्ण को
(b) बुद्धि विश्लेषणात्मक, सृजनात्मक एवं व्यवहारात्मक बुद्धियों की अन्तःक्रिया है
(c) विभिन्न बुद्धियाँ अपने स्वरूप में पदानुक्रमात्मक हैं
(d) अनुदेशन के रूप का निर्माण करते समय अध्यापकों को किसी एक विशिष्ट यैक्षिक नवाचार के सिद्धान्त का अनुपालन करना चाहिए।

29. योग्यता व योग्यता समूहीकरण के परिप्रेक्ष्य में निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सत्य है? [CTET-Feb.-2014-II]

- (a) विद्यार्थी सम-समूहों में बेहतर सीखते हैं
(b) अबाध व प्रभावी शिक्षण हेतु कक्षा को समरूपी होना चाहिए
(c) छात्र असहिष्णु होते हैं व भेदों को स्वीकार नहीं करते
(d) विभिन्न योग्यता वाले समूहों को ग्रहण करने के लिए अध्यापकों को बहु-स्तरीय शिक्षण को अपनाना चाहिए।

30. निम्नलिखित में से कौन-सा कौशल भावात्मक बुद्धि से सम्बद्ध नहीं है? [CTET-Feb.-2014-II]

- (a) भावनाओं के प्रति जागरूकता
(b) भावनाओं का प्रबन्धन
(c) भावनाओं की आलोचना
(d) कक्षा सहपाठियों के साथ मैत्रीपूर्ण व्यवहार।

31. सामाजिक नियमों व कानूनों के विरुद्ध व्यवहार करने वाला बालक कहलाता है- [HTET-2014-I]

- (a) पिछड़ा बालक (b) मन्दबुद्धि बालक
(c) जड़बुद्धि बालक (d) बाल अपराधी।

32. किस मानोवैज्ञानिक ने सीखने की सामग्री के रूप में निरर्थक शब्दों का प्रयोग किया?
[UPTET-2014-I]
(a) विलियम जेम्स (b) स्किनर
(c) एबिंगहाउस (d) बार्टलेट
33. 'चिन्तन संज्ञानात्मक पक्ष में एक मानसिक क्रिया है।' यह कथन दिया गया है—
[UPTET-2014-I]
(a) डीवी द्वारा (b) गिल्फोर्ड द्वारा
(c) क्रूज द्वारा (d) रॉस द्वारा
34. अच्छी स्मृति की विशेषताएँ हैं—
[UPTET-2014-I]
(a) शीघ्र पुनःस्मरण (b) शीघ्र पहचान
(c) अच्छी धारणा (d) ये सभी
35. मानसिक आयु के प्रत्यय का सर्वप्रथम प्रयोग किया—
[UPTET-2014-I]
(a) थॉर्नडाइक (b) गिल्फोर्ड
(c) स्पीयरमैन (d) विने-साइमन
36. शैशवावस्था के लिए उत्तम शिक्षण विधि है—
[UPTET-2014-I]
(a) मॉण्टेसरी विधि
(b) खेल विधि
(c) किण्डरगार्टन विधि
(d) ये सभी
37. संवेगात्मक विकास को प्रभावित करने वाले कारक हैं।
[UPTET-2014-I]
(a) शारीरिक स्वास्थ्य
(b) मानसिक योग्यता
(c) थकान
(d) ये सभी
38. सीखने का सर्वाधिक उपयुक्त अर्थ है—
[UPTET-2014-I]
(a) कौशल अर्जन
(b) ज्ञानार्जन
(c) व्यवहार में परिमार्जन
(d) वैयक्तिक समायोजन
39. आत्म-केन्द्रित व्यक्ति होता है—
[UPTET-2014-II]
(a) अन्तर्मुखी (b) बहिर्मुखी
(c) उभयमुखी (d) सामाजिक निर्भर
40. गैट्स के अनुसार, "अनुभव द्वारा व्यवहार में परिवर्तन ही — है।" [UPTET-2014-II]
(a) अभिप्रेरण (b) समायोजन
(c) सीखना (d) चिन्तन
41. मनुष्य की बुद्धि आगे की पीढ़ियों में संक्रमित होती है। — का कार्य इस जन्मजात योग्यता के विकास के लिए उपयुक्त परिस्थितियों का निर्माण करना है।
[UPTET-2014-II]
(a) क्षेत्र (b) मौसम
(c) वातावरण (d) जलवायु
42. 140 से अधिक बुद्धि-लब्धि (IQ) वाले वाले बच्चों को किस श्रेणी में रखेंगे?
[UPTET-2014-II]
(a) मूर्ख (b) मन्दबुद्धि
(c) सामान्य बुद्धि (d) प्रतिभाशाली
43. "सृजनशीलता मौलिक परिणामों को अभिव्यक्त करने की मानसिक क्रिया है।"
उपरोक्त कथन किसके द्वारा दिया गया है?
[UPTET-2014-II]
(a) क्रो एण्ड क्रो (b) जेम्स ड्यूव
(c) रॉस (d) स्किनर
44. "स्मृति सीखी हुई वस्तु का सीधा उपयोग है।"
उपरोक्त कथन किसका है?
[UPTET-2014-II]
(a) मैक्डूगल (b) वुडवर्थ
(c) रॉस (d) ड्यूवर
45. "चिन्तन मानसिक क्रिया का ज्ञानात्मक पहलू है।" चिन्तन की यह परिभाषा किसने दी?
[UPTET-2014-II]
(a) वॉरिन (b) रॉस
(c) वेल्लेण्टाइन (d) स्किनर

46. निम्न में से कौन-सा स्टेनबर्ग का बुद्धि का त्रिस्तरीय सिद्धांत का एक रूप है?

[CTET-Sep.-2014-I]

- (a) व्यावहारिक बुद्धि
(b) प्रायोगिक बुद्धि
(c) संसाधनपूर्ण बुद्धि
(d) गणितीय बुद्धि।

47. किसने सबसे पहले बुद्धि-परीक्षण का निर्माण किया?

[CTET-Sep.-2014-I]

- (a) डेविड वैरलर
(b) एल्फ्रेड विने
(c) चार्ल्स एडवर्ड स्पीयरमैन
(d) रॉबर्ट स्टेनबर्ग

48. प्रबाहपूर्णता, व्याख्या, मौलिकता और लचीलापन के साथ सम्बन्धित तत्त्व हैं।

[CTET-Sep.-2014-I]

- (a) प्रतिभा (b) गुण
(c) अपसारी चिंतन (d) त्वरण

49. प्रतिभाशाली शिक्षार्थियों को से जुड़े प्रश्नों पर अधिक समय देने के लिए कहा जा सकता है।

[CTET-Sep.-2014-I]

- (a) स्मरण (b) समझ
(c) सर्जन (d) विश्लेषण

50. निम्न में से कौन-सा संवेगात्मक बुद्धि से सम्बन्धित है?

[CTET-Sep.-2014-I]

- (a) याद करना (b) गतिक प्रक्रमण
(c) विचार करना (d) समानुभूति देना

51. एक आंतरिक बल, जो प्रोत्साहित करता है और व्यवहारपरक प्रतिक्रिया के लिए बाध्य करता है एवं उस प्रतिक्रिया को विशिष्ट दिशा उपलब्ध कराता है, है।

[CTET-Sep.-2014-I]

- (a) अभिप्रेरण (b) अध्यवसाय
(c) संवेग (d) वचनबद्धता

52. 'बहुबुद्धि को सिद्धांत' के संदर्भ में एयरफोर्स पायलट बनने के लिए निम्नलिखित में से कौन-सी बुद्धि की आवश्यकता है?



[CTET-Sep.-2014-II]

- (a) अंतः वैयक्तिक (b) भाषिक
(c) गतिक (d) अंतरा-वैयक्तिक

53. बुद्धि की स्पीयरमैन परिभाषा में कारक 'g' है

[CTET-Sep.-2014-II]

- (a) अनुवैशिक बुद्धि
(b) उत्पादक बुद्धि
(c) सामान्य बुद्धि
(d) वैश्विक बुद्धि।



54. रेनजुली प्रतिभाशाली को अपनी परिभाषा के लिए जाने जाते हैं।

[CTET-Sep.-2014-II]

- (a) चार-पंक्तीय (टोर)
(b) चार-स्तरीय
(c) त्रि-वृत्तीय
(d) त्रि-मुखी



55. प्रतिभाशाली शिक्षार्थियों के लिए-

[CTET-Sep.-2014-II]

- (a) अभिक्षमता को कौशल के रूप में समझना सही है
(b) प्रगति के निरीक्षण करने की आवश्यकता नहीं है
(c) शिक्षक को अनुकूलन करना चाहिए, जैसे शिक्षार्थी में बदलाव आता है
(d) शिक्षक को पहल करने चाहिए और समस्या समाधान में मुख्य भूमिका निभानी चाहिए।

56. व्याख्या, अनुमान, और अथवा नियंत्रण प्राक्कल्पना के लक्ष्य है।

[CTET-Sep.-2014-II]

- (a) पारंपरिक तर्कणा
(b) आगमनात्मक तर्कणा
(c) निगमनात्मक तर्कणा
(d) वैज्ञानिक पद्धति।

57. संवेगात्मक बुद्धि, बहुबुद्धि सिद्धांत को किस क्षेत्र के साथ संबंधित हो सकती है?

[CTET-Sept.-2014-II]

- (a) अंतरा-वैयक्तिक और अंतःवैयक्तिक बुद्धि
(b) प्राकृतिक बुद्धि
(c) चाक्षुष-स्थानिक बुद्धि
(d) अस्तित्वपरक बुद्धि।

58. इनमें से कौन-सा त्रितंत्रीय सिद्धान्त में व्यावहारिक बुद्धि का अभिप्राय नहीं है ?

[CTET-Feb.-2015-II]

- (a) पर्यावरण का पुनर्निर्माण करना
(b) केवल अपने विषय में व्यावहारिक रूप से विचार करना
(c) इस प्रकार के पर्यावरण का चयन करना जिसमें आप सफल हो सकते हैं
(d) पर्यावरण के साथ अनुकूलन करना।

59. गार्डनर के बहु-बुद्धि के सिद्धान्त के अनुसार, वह कारक जो व्यक्ति के 'आत्म-बोध' हेतु सर्वाधिक योगदान देगा, वह हो सकता है-

[CTET-Feb.-2015-II]

- (a) अन्तःवैयक्तिक (b) संगीतमय
(c) आध्यात्मिक (d) भाषा-विषयक

60. निम्नलिखित में से कौन-सा सृजनात्मकता से सम्बन्धित है? [CTET-Sept.-2015-I]

- (a) अभिसारी चिन्तन
(b) सांवेगिक चिन्तन
(c) अहंवादी चिन्तन
(d) अपसारी चिन्तन

61. कक्षा-अध्यापक ने राघव को अपनी कक्षा में अपने की-बोर्ड पर स्वर्य द्वारा तैयार किया गया मधुर संगीत बजाते हुए देखा। कक्षा-अध्यापक ने विचार किया कि राघव में _____ बुद्धि उच्च स्तरीय थी। [CTET-Sept.-2015-I]

- (a) शारीरिक-गतिबोधक
(b) संगीतमय
(c) भाषायी
(d) स्थानिक

62. सृजनात्मकता क्या है? [CTET-Sept.-2015-II]

- (a) सृजनात्मकता 200 से ऊपर की बुद्धिलब्धि से सर्वाधिक बेतहर ढंग से परिभाषित होती है।

- (b) बुद्धि का एक प्रकार जो उन कौशलों से संबंधित है जो संचित किए गए ज्ञान और अनुभव पर निर्भर होते हैं।

- (c) बुद्धि का एक प्रकार जो संसाधन की गति को शामिल करते हुए सूचना प्रक्रमण कौशलों पर अत्यधिक निर्भर होता है।

- (d) समस्याओं के मौलिक और अपसारी समाधानों को पहचानने अथवा तैयार करने की योग्यता।

63. विभिन्न मुद्दों और विमर्शों पर उनके लिए कारण प्रस्तुत करते हुए बच्चों को अपनी व्यक्तिगत राय को व्यक्त करने के लिए प्रेरित/सहित करने वाले प्रश्न किसको बढ़ावा देते हैं?

[CTET-Sept.-2015-II]

- (a) जानकारी का पुनःस्मरण
(b) बच्चों का मानकीकृत आकलन
(c) विश्लेषणात्मक और आलोचनात्मक चिंतन
(d) अभिसारी चिंतन

64. बुद्धि के बारे में निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सर्वाधिक उपयुक्त है? [CTET-Sept.-2015-II]

- (a) बुद्धि बहु-आयामी है और इसमें कई पहलू निहित हैं।

- (b) बुद्धि को केवल मानकीकृत बुद्धिलब्धि परीक्षाओं के आयोजन के द्वारा विश्वसनीय रूप से निर्धारित किया जा सकता है।

- (c) बुद्धि मूलभूत रूप से रसायु-तंत्र-संबंधी कार्यप्रणाली है। उदाहरणार्थ -प्रक्रमण की गति, संवेदी-विभेद आदि।

- (d) बुद्धि विद्यालय में अच्छा प्रदर्शन करने की योग्यता है।